भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1275

उत्तर देने की तारीख-28/07/2025

कोंकणी को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के प्रयास

†1275. **कैप्टन विरयाटो फर्नांडीस:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अखिल भारतीय कोंकणी परिषद की मांग के बावजूद भाषागत सुधार के रूप में उपाधि कार्यक्रमों में कोंकणी माध्यम को लागू नहीं करने के क्या कारण हैं;
(ख) डिग्री पाठ्यक्रमों में कोंकणी भाषा को अनिवार्य बनाने और ऐसे संस्थानों के लिए धन आवंटन करने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ग) यूजीसी मानदंडों के विपरीत जिन प्रशासनिक आवश्यकताओं के कारण कॉलेज प्रमुख नेतृत्व या संकाय से वंचित रह गए हैं, उनका ब्यौरा क्या है जिससे गोवा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो रही है;
(घ) गोवा विश्वविद्यालय में आरयूएसए या राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसी योजनाओं के तहत समर्थित कोंकणी माध्यम के स्नातक या स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने में सरकार की पहलों का ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या स्कूल स्तर से आगे गोवा विश्वविद्यालय की प्रणाली में कोंकणी माध्यम का अभाव है;
(च) क्या यूनेस्को की चेतावनी रिपोर्ट के अनुसार उच्च शिक्षा में कोंकणी भाषा के न्यूनतम प्रतिनिधित्व के कारण यह "असुरक्षित" है;
(छ) क्या सरकार की उच्च शिक्षा में कोंकणी भाषा को शामिल करने के लिए कोंकणी भाषा आयोग गठित करने की योजना है; और
(ज) विश्वविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण और शोध कार्यक्रम के लिए आवंटित अनुदानों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ज) भारत सरकार की नीति कोंकणी सहित सभी भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करने की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 बहुभाषावाद को बढ़ावा देने पर बल देती है और भारतीय भाषाओं को जीवंत बनाए रखने के प्रयासों को प्रोत्साहित करती है। यह नीति अनुसूचित

और गैर-अनुसूचित दोनों प्रकार की भारतीय भाषाओं पर ध्यान केंद्रित करती है और जहाँ तक संभव हो, शिक्षा का माध्यम कम से कम कक्षा 5 तक और अधिमनत: कक्षा 8 तक घरेलू भाषा/मातृभाषा/स्थानीय भाषा होने की सिफ़ारिश करती है। विद्यार्थियों का उनकी मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा में अध्ययन सक्षम बनाने के लिए सरकार कोंकणी सहित भारतीय भाषाओं में पठन विषय-वस्तु उपलब्ध करवाकर स्कूल और उच्चतर शिक्षा के दोनों स्तरों पर बहुभाषिकता को एकीकृत कर रही है।

वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा के अनुसार, सरकार ने भारतीय भाषा पुस्तक योजना कार्यान्वित करने का प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत स्कूलों और उच्चतर शिक्षा के सभी शिक्षण संस्थाओं द्वारा प्रदान की जा रही प्रत्येक विषय की पाठ्यपुस्तकें और अध्ययन विषय-वस्तु कोंकणी सहित 22 भारतीय भाषाओं में डिजिटल रूप में उपलब्ध कराई जाएंगी।

शिक्षा समवर्ती सूची में होने के कारण, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार केंद्र और राज्य सरकारों दोनों का उत्तरदायित्व है। तथापि, केंद्रीय सहायता की आवश्यकता को समझते हुए, केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों के विश्वविद्यालयों की सहायता के लिए विभिन्न योजनाएँ कार्यान्वित की हैं। गोवा विश्वविद्यालय एक राज्य विश्वविद्यालय है। गोवा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा कोंकणी में बीए (ऑनर्स), कोंकणी में एमए और कोंकणी में पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, गोवा विश्वविद्यालय गैर-कोंकणी भाषियों के लिए 100 घंटे का कोंकणी प्रवीणता में एक ऑफ़लाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी प्रदान कर रहा है। साथ ही, अवर स्नातक स्तर पर, बीबीए, बीसीए, बीए, बीएससी, बी.कॉम और बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (बीई) जैसे कार्यक्रमों के लिए, कोंकणी एनईपी 2020 नीति के अनुसार क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) के तहत आधुनिक भारतीय भाषा (एमआईएल) के रूप में प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त के अलावा, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, समता, ऑनलाइन शिक्षा, प्रौद्योगिकी का एकीकरण, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने, व्यावसायिक शिक्षा और बहु-विषयक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की सिफारिशों को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से गोवा विश्वविद्यालय में एक केंद्र स्थापित किया गया है।

भारत सरकार की केंद्र वित्त पोषित योजना, अर्थात् रूसा/पीएम-उषा के अंतर्गत, गोवा राज्य में विभिन्न घटकों के अंतर्गत 125.4 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता वाली 30 परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है। इसमें से, गोवा विश्वविद्यालय को विभिन्न घटकों के अंतर्गत 84 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता अनुमोदित की गई है। इस निधि से, गोवा विश्वविद्यालय में शेनोई गोएम्बैब कोंकणी कंप्यूटर लैब और कोंकणी व्याख्यान कक्ष की स्थापना और उसे सुसज्जित किया गया है।

केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) का पुणे स्थित पश्चिमी क्षेत्रीय भाषा केंद्र, कोंकणी में द्वितीय भाषा के रूप में दस महीने का डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम तीन स्तरों–बेसिक, इंटरमीडिएट और एडवांस्ड–में उपलब्ध है और यह सेवारत शिक्षकों, भावी शिक्षकों, शोधार्थियों और आम जनता के लिए उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, भारतीय भाषाओं के लिए भाषाई डेटा कंसोर्टियम (एलडीसी-आईएल) कार्यक्रम के भाग के रूप में, विभिन्न कोंकणी डेटासेट तैयार और सार्वजनिक उपयोग के लिए जारी किए गए हैं, अर्थात् क) गोल्ड स्टैंडर्ड कोंकणी रॉ टेक्स्ट कॉर्पस ख) कोंकणी रॉ स्पीच कॉर्पस ग) कोंकणी सेंटेंस अलाइन्ड स्पीच कॉर्पस।

इसके अतिरिक्त, सीआईआईएल अपनी परियोजना, भारतवाणी के अंतर्गत, अपने बहुभाषी ऑनलाइन पोर्टल (www.bharatvani.in) और मोबाइल ऐप के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओं में और उनके बारे में ज्ञान का प्रसार करता है। यह शब्दों के माध्यम से खोजे जा सकने वाले शब्दकोशों और शब्दावलियों के लिए विश्व का सबसे बड़ा मंच है। वर्तमान में इस पोर्टल पर 171 कोंकणी भाषा संसाधन उपलब्ध हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान, एमएमटीटीपी योजना के अंतर्गत अनुमोदित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए गोवा विश्वविद्यालय को कुल 21,37,500/- रुपए की कुल राशि जारी की गई।

*****